BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination 00703

June, 2017

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-003 : ANCIENT AND MEDIEVAL WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : (i) Answer all five questions.
(ii) All questions carry equal marks.
(iii) Answers to questions 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. Define philosophy. Explain its scope and importance. 20

OR

Describe the philosophy of the world according to Aristotle. 20

2. Explain the proofs for the existence of God according to Aquinas. 20

OR

Write an essay on the important Islamic philosophers of the medieval period. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :

(a) Explain socratic ethics. **10**

(b) Critically evaluate the major teachings of the sophists. **10**

(c) Examine the political philosophy of Plato. **10**

(d) Discuss the relation between faith and reason according to Augustine and Aquinas. **10**

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Bring out the importance of metaphysics as a discipline within philosophy. **5**

(b) Write a short note on Medieval Western Philosophy. **5**

(c) Explain briefly the Pythagorean philosophy. **5**

(d) Describe metaphysico - religious system of Plotinus. **5**

(e) What is Epicureanism ? **5**

(f) Explain the principle of individuation according to Scotus. **5**

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Cartesian method **4**

(b) Logos **4**

(c) Parmenides **4**

(d) The nature of love **4**

(e) Stoicism **4**

(f) Matter and form **4**

(g) Origen **4**

(h) Ockham's razor **4**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2017

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-003 : प्राचीन एवं मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. दर्शन को परिभाषित करिए। इसके विषय क्षेत्र एवं महत्व की व्याख्या कीजिए। **20**

अथवा

अरस्तु के विश्व-दर्शन का विस्तार से वर्णन कीजिए। **20**

2. एक्वीनास द्वारा ईश्वर के अस्तित्व की सिद्धि में प्रस्तुत प्रमाणों की व्याख्या कीजिए। **20**

अथवा

मध्यकाल के महत्वपूर्ण इस्लामी दार्शनिकों पर एक निबन्ध लिखिए। **20**

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(a) सुकरातीय पद्धति की व्याख्या करें। 10

(b) सोफिस्टों की मुख्य शिक्षाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 10

(c) प्लेटो के राजनैतिक दर्शन का परीक्षण करें। 10

(d) ऑगस्टीन एवं एक्वीनास के अनुसार आस्था तथा बुद्धि के मध्य सम्बंध पर चर्चा कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) दर्शन की एक शाखा के रूप में तत्वमीमांसा के महत्व को स्पष्ट करें। 5

(b) मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

(c) पाइथागोरस के दर्शन की व्याख्या संक्षेप में कीजिए। 5

(d) प्लोटिनस की तत्वमीमांसीय-धार्मिक व्यवस्था का वर्णन कीजिए। 5

(e) एपीक्यूरियनवाद क्या है? 5

(f) स्कॉटस के अनुसार व्यक्तिकरण के सिद्धान्त की व्याख्या करें। 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) देकार्तीय पद्धति 4

(b) लोगोस 4

(c) पारमेनाइडस 4

(d) प्रेम की प्रकृति 4

(e) स्टोइकवाद 4

(f) पदार्थ एवं रूप/आकार 4

(g) ऑरिगन 4

(h) ऑखेम-रेजर 4